



THE SECRETS OF STOCK TRADING



SUPPORT AND
RESISTANCE



CANDLESTICK
PATTERNS

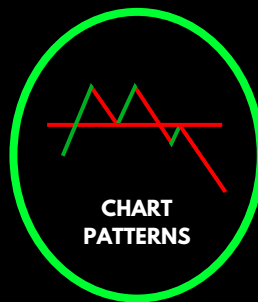


CHART
PATTERNS



TRADING
PSYCHOLOGY

**BASIC TO ADVANCE LEVEL SHARE MARKET
KNOWLEDGE STEP BY STEP.**



TRADER
ANIKET



ANIKET KUSHWAHA

Improve Your Trading Skill

ANIKET KUSHWAHA

DISCLAIMER

STOCK MARKET IS SUBJECT TO MARKET RISK. THERE IS NO WAY TO PREDICT WHAT WILL HAPPEN IN FUTURE.

THE STOCK MARKET IS NOT A SPECULATIVE MARKET. THINK OF IT AS A BUSINESS AND WORK LIKE A BUSINESS.

ALL INFORMATION PROVIDED IN THIS BOOK IS FOR EDUCATIONAL PURPOSES ONLY. IT IS NOT INTENDED TO BE A SOURCE OF FINANCIAL OR LEGAL ADVICE.(THIS IS NOT AN INVESTMENT ADVICE.)

IF YOU WANT TO WORK IN SHARE MARKET ON THE ABOVE MENTIONED KNOWLEDGE THEN YOU MUST DO YOUR RESEARCH OR CONSULT YOUR FINANCIAL ADVISOR.

WORKING IN SHARE MARKET WITHOUT KNOWLEDGE CAN PUT YOU IN TROUBLE. WORKING IN THE STOCK MARKET WITHOUT KNOWLEDGE CAN LAND YOU IN TROUBLE. LEARN, UNDERSTAND AND WORK IN THE STOCK MARKET SO THAT YOU DO NOT FALL PREY TO SOMEONE IGNORANT IN STOCK MARKET.

"SHARE MARKET एक ऐसी जगह है जहां KNOWLEDGE और PATIENCE आपकी सबसे बड़ी INVESTMENT है। सीखना और समझना पहले जरूरी है, पैसे तो बाद में आपके पीछे आयेंगे"

WARREN BUFFETT

लोभः पापस्य कारणम्।

अज्ञात्...

ANIKET KUSHWAHA

ALL RIGHTS RESERVED. NO PART OF THIS BOOK MAY
BE REPRODUCED, STORED IN A RETRIEVAL SYSTEM
OR TRANSMITTED IN ANY FORM OR BY ANY MEANS.
WITHOUT THE PRIOR PERMISSION OF THE AUTHOR
AND THE PUBLISHER.

CONTENTS

- **WHAT IS SHARE MARKET? और यह कैसे काम करता है।**
- **SHARE MARKET कैसे चलता है? HOW DOES THIS WORK?**
- **DEMAT ACCOUNT क्या होता है?**
- **SHARE MARKET में कंपनी LISTED कैसे होती है। IPO, FPO क्या होता है?)**
- **PRIMARY MARKET AND SECONDRY MARKET क्या होता है?**
- **STOCKS और SHARE में क्या अन्तर है?**
- **SHARES की BUYING और SELLING किसके-किसके बीच होती है?**
- **INDEX, EXCHANGE, BROKER, SEBI क्या होता है?** TRADER ANIKET
- **TRADING HOURS**
- **TRADING SEGMENT :- EQUITY, COMMODITY, CURRENCY, DERIVATIVE.**
- **ORDER TYPE :- MARKET ORDER, LIMIT ORDER, STOP-LOSS ORDER.**
- **BULL & BEAR क्या होता है?**
- **TYPES OF TRADE**
- **ALGO TRADING क्या होता है?**
- **PAPER TRADING क्या होता है?**
- **SHARE MARKET को लोग बुरा क्यों बोलते हैं?**
- **TECHNICAL ANALYSIS क्या होता है? ROLE, महत्व और क्यों जरूरी है?**
- **TYPE OF PATTERN**
- **PRICE ACTION BASED TRADING**

- **SUPPORT AND RESISTANCE**
- **MARKET STRUCTURE, TREND ANALYSIS AND TRENDLINE.**
- **CANDLESTICKS :- SINGLE CANDLE, DOUBLE CANDLE, MULTIPLE CANDLE**
- **CHART PATTERNS :- REVERSAL AND CONTINUOUS CHART PATTERN.**
- **BREAKOUT TRADING STRATEGY AND FALSE BREAKOUT से कैसे बचें ?**
- **INDICATOR BASED TRADING**
- **RSI (RELATIVE STRENGTH INDEX)**
- **MOVING AVERAGE** TRADER ANIKET
- **FUTURE क्या होता है? FUTURE में काम कैसे होता है?**
- **OPTION क्या होता है? OPTION में काम कैसे होता है?**
- **CALL(CE) AND PUT(PE) क्या होता है?**
- **OPTION BUYING AND OPTION SELLING क्या होता है?**
- **FUTURE AND OPTION TERMINOLOGY.**
- **OPTION CHAIN ANALYSIS.**
- **OPTION TRADING STRATEGY.**
- **TRADING PSYCHOLOGY क्या होता है? ROLE, महत्व और क्यों जरूरी है?**
- **STOCK MARKET में FAIL होने के कारण**
- **आत्म-अनुशासन (SELF-DISCIPLINE)**
- **TRADING करते समय ध्यान रखने योग्य बातें।**

SHARE MARKET क्या है?

यह एक ऐसा बाजार है जहाँ हर रोज **VALUABLE LISTED COMPANIES** के **SHARES** की खरीदी और बिक्री होती है।

SHARE का मतलब होता है हिस्सा, किसी **COMPANY** का **SHARE** खरीदना मतलब उस **COMPANY** का हिस्सेदार बनना। अर्थात् हम जिस भी कंपनी के **SHARE** खरीदते हैं उस कंपनी के **PARTNER** बनते हैं। **SHARE HOLDER** का फायदा या नुकसान **COMPANY** के **PERFORMANCE** पर निर्भर करता है।

जैसे 4 दोस्तों ने मिलकर 4 लाख का कोई **BUSINESS** चालू किया इसमें चारों ने 1-1 लाख का **INVESTMENT** किया जिसमें प्रत्येक की हिस्सेदारी 25% है। अगर **FUTURE** में **BUSINESS GROW** करता है तो फायदा होगा, यदि **BUSINESS** किसी कारणवश **GROW** नहीं कर पाता है तो नुकसान हो सकता है।

SHARE MARKET में बड़ी-बड़ी कंपनियां **LISTED** होती है, हमने जितना पैसा **INVEST** किया है उसके हिसाब से कंपनी में हमारी हिस्सेदारी होती है। **TRADER ANIKET**

SHARE MARKET कैसे चलता है?

SHARE MARKET DEMAND और **SUPPLY** के आधार पर चलती है। जिस कंपनी के **PRODUCTS** का **DEMAND** ज्यादा है और **SUPPLY** कम है तो **PRICE** बढ़ेगी। **SUPPLY** ज्यादा और डिमांड कम मतलब **PRICE** घटेगी।

DEMAND :- कोई **PRODUCT MARKET** में उपलब्ध नहीं है या कम मात्रा में है, परंतु वह **PRODUCT** लोगों को चाहिए। लोग **PRODUCT** को पाने के लिए कोई भी **PRICE** देने के लिए तैयार हैं।

SUPPLY :- कोई **PRODUCT MARKET** में ज्यादा उपलब्ध है, या लगभग सबके पास है। लोग **PRODUCT** को लेने के लिए तैयार नहीं है।

यह **SHARE MARKET** हमारे आसपास के सब्जी बाजार जैसा है, जैसे टमाटर हर जगह पे मिल रहा है, बहुत जगहों से आ रहा है इसकी **SUPPLY** बहुत ज्यादा है तो टमाटर का **PRICE** सस्ता होगा। टमाटर **MARKET** में ज्यादा नहीं है लोगों को टमाटर चाहिए और **SUPPLY** बहुत कम है तो टमाटर का **PRICE** बढ़ेगा, क्योंकि लोगों को टमाटर चाहिए।

जैसे **TATA MOTORS** का **SHARE** है, और अभी **TATA** कंपनी **ELECTRIC CAR** बनाने

का **ANNOUNCEMENT** करती है तो लोग **TATA MOTORS** के **SHARES** को खरीदना चाहेंगे। परन्तु जिनके पास पहले से **TATA MOTORS** के **SHARES** हैं वे इसे ज्यादा **PRICE** पर बेचेंगे या बेचना ही नहीं चाहेंगे। क्योंकि लोगों को पता है अगर **TATA COMPANY ELECTRIC CAR** बनायेगी, तो **SHARE** का **PRICE** बढ़ेगा।

DEMAND ज्यादा **SUPPLY** कम तो मार्केट बढ़ेगा।

SUPPLY ज्यादा **DEMAND** कम तो मार्केट घटेगा।

DEMAND ज्यादा है पर **SUPPLY** ना के बराबर तो **SHARE** का **PRICE** बढ़ेगा ही।

वैसे ही अगर किसी कंपनी के **SHARE** को लोग बेच रहे हैं, खरीदने वाले कम हैं तो **PRICE** कम होगा। लोग और कम **PRICE** में खरीदना चाहेंगे।

DEMAT **ACCOUNT** क्या होता है?

DEMAT ACCOUNT एक **ELECTRONIC** रूप से **ACCOUNT** होता है, जिसमें हम **SHARES** को **BUY** और **SELL** करते हैं। TRADER ANIKET

DEMAT ACCOUNT OPEN करने के लिए **PAN CARD**, **AADHAR CARD** (आपका आधार कार्ड आपके **MOBILE NUMBER** से **LINK** होना चाहिए।), **BANK ACCOUNT** तथा 6 महीने का **BANK STATEMENT** या **ITR** या **SALLARY** स्लिप की जरूरत पड़ती है। **INDIA** के **TOP BROKER** जहाँ से आप अपना **ACCOUNT OPEN** करके **SHARE MARKET** में **TRADE** कर सकते हैं।

SHARE **MARKET** में कंपनी **LISTED** कैसे होती है :-

IPO के द्वारा **COMPANY NSE**, **BSE**, या **OTHER EXCHANGE** में **LISTED** होती है। जिन्हें **SEBI (SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA)** नियंत्रित करती है।

IPO (**INITIAL PUBLIC OFFERING**) :-

COMPANY अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए **SHARES** को पहली बार **PUBLIC** के लिए जारी करती है जिसे हम **IPO** के नाम से जानते हैं। **COMPANY** लोगों से पैसा लेती है और पैसों के बदले **PUBLIC** को **SHARES** देती है।

IPO के द्वारा ही **COMPANY NSE**, **BSE** या अन्य **EXCHANGE** में **LISTED** होती है जिन्हें **SEBI (SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA)** नियंत्रित करती है।

FPO (FOLLOW-ON PUBLIC OFFERING) :-

FPO का मतलब FOLLOW-ON PUBLIC OFFERING होता है। FPO ऐसा EVENT होता है जहाँ SHARE MARKET में LISTED कंपनियां अपने SHARE HOLDERS के लिए ADDITIONAL SHARE ISSUE करती है। मतलब कंपनी CAPITAL RAISE करने के लिए अपने पुराने SHARES को बेचती है जिसे हम FPO के नाम से जानते हैं।

TYPES OF MARKET :-

PRIMARY MARKET एक ऐसा बाजार है जहां पर कंपनी अपने SHARES को पहली बार PUBLIC के लिए जारी करती है। (IPO के THROUGH)

SECONDARY MARKET एक ऐसा बाजार होता है जहां पर पहले से ही SHARE MARKET में LISTED कंपनियों के SHARES की खरीदारी और बिकवाली होती है।

(SHARE MARKET में TRADING जो है वो BUYER और SELLER के बीच में होती है। SHARE MARKET में TRADER और INVESTOR होते हैं जो SHARES को खरीदते और बेचते हैं। खरीदने वाले को BUYER और बेचने वाले को SELLERS कहते हैं।)

STOCKS और SHARE में क्या अन्तर है?

STOCKS और SHARE दोनों ही COMPANY के OWNERSHIP को REPRESENT करते हैं।

STOCKS अलग होता है और SHARE अलग होता है। जैसे आप बोल रहे हो मेरे पास 10 कंपनी के STOCKS हैं तो आपने 10 COMPANY में INVEST किया है। और आप बोल रहे हैं मेरे पास किसी COMPANY के 10 शेयर हैं तो आपने किसी एक COMPANY पर INVEST किया है। TRADER ANIKET

STOCKS अनेक COMPANY के INVESTMENT को बताता है और SHARE किसी एक कंपनी में INVESTMENT को बताता है।

STOCK EXCHANGE एक ऐसा जगह होता है जहां पर STOCKS की TRADING होती है। EXCHANGE का कार्य SHARES को BUYERS से SELLERS तक BROKER के माध्यम से पहुंचना होता है।

STOCK BROKER एक माध्यम होता है जहां INVESTOR या TRADER EXCHANGE में BUYING और SELLING करते हैं।

भारत के मुख्य STOCK BROKER :- ANGELONE ZERODHA, UPSTOX, DHAN, KOTAK SECURITIES, HDFC SECUTRIES आदि।

भारत में सबसे ज्यादा NSE (NATIONAL STOCK EXCHANGE) और BSE (BOMBAY STOCK EXCHANGE) SHARES खरीदारी और बिकवाली होती है।

भारत में कई सारे STOCK EXCHANGE हैं परंतु सबसे ज्यादा NSE और BSE में खरीदारी और बिकवाली होती है। यह भारत के मुख्य EXCHANGE हैं। आज के समय में BSE और NSE राष्ट्रीय स्तर के EXCHANGE हैं और 21 REGIONAL STOCK EXCHANGE हैं। RSE पर अभी TRADE नहीं किया जाता सिर्फ NSE और BSE में TRADE होता है। TRADER ANIKET

NSE (NATIONAL STOCK EXCHANGE) :-

NSE भारत का सबसे बड़ा ELECTRONIC COMPUTERISED STOCK EXCHANGE है। तथा विश्व का तीसरा सबसे बड़ा EXCHANGE है। जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है।

NSE की स्थापना 1992 में की गई थी। NSE का सूचकांक या INDEX NIFTY-50 है। (INDEX कंपनियों का GROUP होता है जिसमें अलग-अलग SECTOR की TOP LEADING कंपनियां होती है जिनका TRACK RECORD और PERFORMANCE अच्छा होता है।) TRADER ANIKET

NIFTY50 INDEX में भारत के TOP 50 COMPANY LISTED हैं। जिसमें अलग अलग SECTOR की TOP LEADING COMPANY होती हैं जिनका TRACK RECORD और PERFORMANCE बेहतर होता है।

BSE (BOMBAY STOCK EXCHANGE) :-

BSE भारत और एशिया का सबसे पुराना STOCK EXCHANGE है जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। BSE का सूचकांक या INDEX SENSEX है।

BSE महाराष्ट्र राज्य की राजधानी मुंबई में स्थित है। इसकी स्थापना 1875 में हुई थी।

SENSEX में भारत के TOP 30 COMPANY LISTED हैं। जिसमें NIFTY50 की तरह ही भारत की TOP SECTOR की LEADING COMPANY जिनका TRACK RECORD और PERFORMANCE बेहतर है ये कंपनी LISTED होते हैं।

SEBI (SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA).

भारत में **SEBI** एक मान्यता प्राप्त संस्था है जिसे निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

SEBI की स्थापना 12 अप्रैल 1988 को किया गया था। परंतु 30 जनवरी 1992 को कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त हुआ। **SEBI** का मुख्यालय मुंबई महाराष्ट्र में स्थित है।

SEBI भारत में **LISTED EXCHANGE** और **COMPANIES** को नियंत्रित करता है। साथ ही निवेशकों की सुरक्षा को देखते हुए **COMPANIES** की सभी गतिविधियों पर नजर रखता है ताकि **MARKET** सही ढंग से चल सके और हो **DEVELOP** सके। **TRADER ANIKET**

INSIDER TRADING :-

SHARE MARKET में **INSIDER TRADING** एक ऐसा **ILLEGAL** काम है जिसमें किसी कंपनी के कर्मचारी, **DIRECTOR** या मालिक अपने **COMPANY** के **CONFIDENTIAL INFORMATION** का इस्तेमाल करके **SHARE** की **TRADING** करते हैं या अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार को जानकारी देकर **TRADING** करते हैं जिसे **INSIDER TRADING** के नाम से जानते हैं। यह जो जानकारीयां हैं किसी को पता नहीं होता और इसका इस्तेमाल ज्यादा **PROFIT** करने के लिए किया जाता है।

भारत में **INSIDER TRADING** बैन है और यह **ILLEGAL** है। **SEBI** ने **INSIDER TRADING** पर कई **LAW** बनाये हैं।

BULL AND BEAR :-

SHARE MARKET में **BULL** और **BEAR** एक महत्वपूर्ण तथ्य है जो **MARKET** के **SENTIMENT** को **INDICATE** करता है।

BULL MARKET का मतलब **POSITIVE** संकेत :- अगर **MARKET** **CONSISTENT** बढ़ रहा है तो **INVESTOR** या **TRADER** **CONFIDENCE** के साथ **STOCKS** **BUY** करते हैं।

BEAR MARKET का मतलब **NEGATIVE** संकेत :- अगर **MARKET** में गिरावट रही है तो **TRADER** अपना **PROFIT BOOKING** करते हैं या **STOCKS** को **SELL** करते हैं।

TRADING SEGMENT :-

INDIAN SHARE MARKET में अलग-अलग TRADING SEGMENT होते हैं जहाँ पर TRADING होती है।

EQUITY MARKET :- EQUITY MARKET INDIAN SHARE MARKET में एक प्रमुख MARKET है जहाँ केवल STOCKS या SHARE की TRADING होती है।

COMMODITY MARKET :- COMMODITY MARKET में विभिन्न प्रकार के COMMODITY जैसे कि GOLD, SILVER, COPPER, NATURAL GAS, JEERA, GRAINS आदि की होती है। TRADER ANIKET

भारत में मुख्य रूप से दो COMMODITY EXCHANGE हैं।

1. MCX (MULTI COMMODITY EXCHANGE)

2. NCDEX (NATIONAL COMMODITY & DERIVATIVES EXCHANGE)

DERIVATIVE MARKET :- DERIVATIVE MARKET में STOCKS या INDEX के FUTURE और OPTION की BUYING और SELLING होती है।

CURRENCY MARKET :- CURRENCY MARKET या FOREX MARKET में विदेशी EXCHANGE CURRENCY (मुद्रा) की TRADING होती है।

TYPES OF ORDER :-

SHARE MARKET में ORDER INVESTOR या TRADER के द्वारा दिया जाने वाला INSTRUCTIONS (निर्देश) को बताता है। SHARE MARKET में ORDER विभिन्न प्रकार के होते हैं।

MARKET ORDER :- MARKET ORDER TRADER द्वारा एक निर्देश होता है जिसमें TRADER अगर ORDER PLACE करता है तो STOCKS का BUYING या SELLING CURRENT MARKET PRICE में होता है।

LIMIT ORDER :- LIMIT ORDER एक ऐसा ORDER TYPE है जिसमें TRADER STOCKS के PRICE को किसी SPECIFIC PRICE पर BUY या SELL करता है। अगर STOCK का PRICE SPECIFIC LIMIT PRICE तक जाता है तो ORDER EXECUTE होता है अन्यथा ORDER PENDING रहता है।

SL ORDER :- SHARE MARKET में STOP LOSS ORDER TRADER के लिए बहुत महत्वपूर्ण ORDER TYPE है जो TRADER या INVESTOR को PROTECT करता है।

साथ ही यह **ORDER** हमारे **LOSS** को **CONTROL** करता है। यह **ORDER** किसी **SPECIFIC PRICE** के ऊपर या नीचे की तरफ लगाया जाता है।

IMMEDIATE-OR-CANCEL (IOC) ORDER :- **IOC ORDER** एक **SPECIFIC QUANTITY** के **SHARES** को तुरंत **EXECUTE** करने के लिए होता है। अगर **STOCKS** तुरंत **BUY** या **SELL** नहीं होता है तक **ORDER CANCEL** हो जाता है।

TYPES OF TRADE :-

एक **TRADER** का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह बढ़ते हुये **MARKET** के साथ-साथ गिरते हुए **MARKET** में भी पैसा कमा सकता है। यह बात सबको पता है की पहले **STOCK** को **BUY** करके **SELL** करते हैं। लेकिन **SHARE MARKET** में पहले **STOCKS** को **SELL** करके फिर **BUY** कर सकते हैं।

जैसे हम कोई **STOCK** को पहले **SELL** करते हैं मान लीजिये **TATA MOTORS** के **SHARES** को हमने 400₹ के **PRICE** पर **SELL** किया। अगर **TATA MOTORS** का **SHARE 400₹** से नीचे जितना जायेगा हमको उतना **PROFIT** होगा। और 400₹ के ऊपर जितना जायेगा हमको उतना **LOSS** होगा। मतलब 400₹ से 412₹ जाता है तो हमें 12₹ का **LOSS** होगा। अगर **SHARE** का **PRICE 400₹** से 385₹ जाता है तो हमें 15₹ का **PROFIT** होगा। हम यहाँ 385₹ में **SHARE** को **BUY** करके अपना **PROFIT BOOK** कर सकते हैं।

SHARE MARKET में **SHORT SELLING** एक **TRADING STRATEGY** है जिसमें एक **TRADER** किसी **STOCKS** को पहले **SELL** करता है। (जो उसके पास नहीं होता है।) यह एक **BEARISH STRATEGY** होती है जिसमें एक **TRADER** इस उम्मीद से **STOCKS** को **SELL** करता है कि **STOCKS** का **PRICE** गिरेगा और वह उससे **PROFIT BOOKING** करेगा। **TRADER ANIKET**

"पहले **SELL** करने का **OPTION** हमें **INTRADAY TRADING** और **FUTURE & OPTION TRADING** में मिलता है।"

SCALPING TRADING :- **SCALPING** में **STOCK** को 2 से 5 मिनट के लिए **BUY** करते हैं और उसमें जैसे ही **PROFIT** होता है उसे बेचकर निकल जाते हैं।

(जैसे हमने **SBIN** का 2000 **SHARES 400₹** के **PRICE** में खरीदा और जैसे ही **SBIN** का **SHARE 402₹** चला गया हमने तुरंत ही उसको बेचकर **PROFIT BOOK** कर लिया।)

INTRADAY TRADING :- INTRADAY TRADING का मतलब होता है हम जो STOCKS को खरीदते हैं या बेचते हैं उसको SAME DAY ही EXIT करना पड़ता है। इसमें हमें PROFIT या LOSS SAME DAY ही हो जाता है। यह TRADING सिर्फ एक ही दिन के लिए ही VALID रहता है।

"भारत में STOCKS में TRADING सुबह 09.15 से 03.30 तक होती है। इसी समय अंतराल में हम INTRADAY TRADING कर सकते हैं।"

SWING TRADE :- SWING TRADE में STOCKS को BUY करके 2 दिन से कुछ महीनों तक रखा जाता है। SWING TRADE में SHORT TERM MOVEMENT के लिए TRADE किया जाता है।

BTST TRADE :- BTST (BUY TODAY SELL TOMORROW) आज STOCK को BUY करके कल SELL करना। TRADER ANIKET

STBT TRADE :- STBT (SELL TODAY BUY TOMORROW) आज STOCK को SELL करके कल BUY करना। "BTST और STBT TRADE का FUTURE & OPTION TRADING में इस्तेमाल किया जाता है।"

PAPER TRADING क्या होता है?

PAPER TRADING एक तरीके का VIRTUAL TRADING होता है जिसमें TRADER अपने TRADING SKILL को IMPROVE करने के लिये TRADING PRACTICE करते हैं बिना REAL MONEY के। इसमें TRADER VIRTUAL FUND का इस्तेमाल करते हैं और LIVE MARKET में TRADING करते हैं।

(जिस प्रकार से REAL MONEY में TRADE होता है SAME उसी प्रकार से PAPER TRADING में TRADE कर सकते हैं। लेकिन REAL MONEY में TRADER का पैसा लगा लगता है और PAPER TRADING में VIRTUAL MONEY होता है।)

PAPER TRADING का USE करके TRADER अपने STRATEGY को TEST कर सकता है, TRADING को समझ सकता है और PRACTICE करके अपने TRADING SKILL को DEVELOP कर सकता है।

ALGO TRADING क्या होता है?

ALGO TRADING एक ऐसा प्रक्रिया है जिसमें COMPUTER के माध्यम से TRADING होता है। इसमें किसी STRATEGY को SET किया जाता है और STRATEGY को इस प्रकार

से **SET** किया जाता है की जिसमें अगर **BUYING** की **OPPORTUNITY** मिले तो **BUY** और **SELLING** की **OPPORTUNITY** मिले तो **AUTOMATIC SELL** हो जाता है।

ALGO TRADING का इस्तेमाल **INSTITUTIONAL INVESTORS, HEDGE FUNDS** और बड़े **TRADER** करते हैं ताकि उनकी **TRADING FAST** हो सके।

SHARE MARKET को लोग इतना भला बुरा क्यों बोलते हैं?

आपने बहुत लोगों से सुना होगा की यह बहुत ही बुरी चीज है, इसमें बहुत लोगों को नुकसान होता है। क्योंकि लोग **SHARE MARKET** को जुआ की तरह समझते हैं। आज पैसा लगाया कल सुबह करोड़पति बनने का ख्वाब देखने लगते हैं उनको लगता है **MARKET** बहुत ही आसान है। इसी कारण से लोगों का पैसा डूबता है।

SHARE MARKET एक **BUSINESS** की तरह है और इसे **BUSINESS** की तरह ही समझना चाहिए। हम **BANK** में **FD** में पैसा जमा कराते हैं उससे हमें साल भर का **5** से **7%** का रिटर्न मिलता है, और **SHARE MARKET** में **BANK, FD** से ज्यादा **RETURN** मिलता है। कई-कई बार तो हमें एक महीने में **FD** के इतना **RETURN** मिल जाता है।

जैसे हम कोई **MOBILE** खरीदने जाते हैं तो पहले हम उसके बारे में **RESEARCH** करते हैं, उसकी जानकारी निकालते हैं तब जाकर खरीदते हैं। **TRADER ANIKET**

लेकिन लोगों को जल्दी अमीर बनना है, वह उल्टा सीधा **TRADE** करके इधर उधर पैसा लगाते हैं और डूब जाने पर **SHARE MARKET** को बुरा कहते हैं।

"**SHARE MARKET** एक समुंदर की तरह है, जो **PATIENCE** रखते हैं और सीख कर समझते हैं, वही मोती ढूंढ पाते हैं। डर और लालच के साथ चलोगे तो डूबना तय है।"

RAKESH JHUNJHUNWALA

TECHNICAL ANALYSIS

TECHNICAL ANALYSIS हमें **COMPANY** की स्थिति के बारे में बताता है कि कंपनी के **SHARE** का **MARKET** में क्या स्थिति है, **PAST PERFORMANCE** कैसा था और **FUTURE** में क्या हो सकता है।

TECHNICAL ANALYSIS से हमें बहुत सारे फायदे होते हैं इसके इस्तेमाल से हम कम समय में ज्यादा **PROFIT** बना सकते हैं। **INTRADAY, SWING TRADE, SHORT TERM TRADE** करके लगभग हर **TRADE** में **PROFIT** बना सकते हैं। तथा इसके इस्तेमाल से हम खुद के **ANALYSIS** पर **TRADE** कर सकते हैं।

अगर **TECHNICAL ANALYSIS** को बेहतर ढंग से सीख गए तो हमारे लिए इस **SHARE** बाजार में पैसा कमाना बहुत ही आसान हो जाएगा। **TRADER ANIKET**

TECHNICAL ANALYSIS में हम **CHART PATTERN, CANDLE STICKS, MARKET TREND, INDICATOR, SUPPORT & RESISTANCE** को समझेंगे।

CHART PATTERN 3 प्रकार के होते हैं। (1).**LINE CHART** (2).**BAR CHART** (3).**CANDLESTICK CHART** (वर्तमान में **LINE CHART** और **BAR CHART** का प्रचलन लगभग समाप्त हो चुका है। इसके अतिरिक्त **CANDLESTICK CHART** को ज्यादा **IMPORTANT** दिया जाता है।)

SHARE MARKET में हम दो चीजों को देखकर **TRADE** कर सकते हैं।

(1). PRICE ACTION BASED

PRICE ACTION में हम 4 मुख्य चीजों को देखकर उसका **ANALYSIS** करके **TRADE** कर सकते हैं।

CANDLESTICKS, SUPPORT AND RESISTANCE, MARKET TREND (MARKET STRUCTURE), CHART PATTERNS.

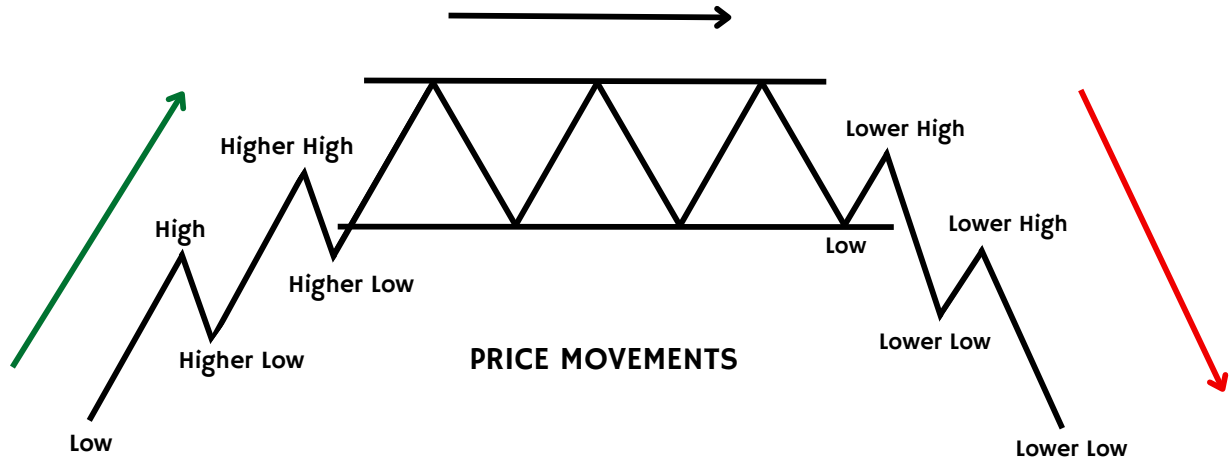
(2). INDICATOR BASED

INDICATOR तो बहुत सारे होते हैं। जो **INDICATOR** हमको **SUITABLE** लगता है उसका **ANALYSIS** करके हम **TRADE** कर सकते हैं।

MACD, RSI, MOVING AVERAGE, PIVOT POINT, V-WAP. ETC

PRICE ACTION

SHARE MARKET में PRICE ACTION का मतलब SHARE की कीमत का ऊपर नीचे होने वाले MOVEMENT को देख कर TRADE करना PRICE ACTION कहलाता है।



PRICE ACTION TECHNICAL ANALYSIS का IMPORTANT FACTOR है। जिसमें PAST के PRICE MOVEMENTS और TRADING VOLUME की INFORMATION से FUTURE के PRICE TRENDS का PREDICTION किया जाता है।

PRICE ACTION TRADER CHARTS और GRAPHS का USE करके SHARE के PRICE के MOVEMENTS को ANALYSIS करने के लिए विभिन्न CHART PATTERN का USE करते हैं। TRADER ANIKET

PRICE ACTION TRADING में INDICATOR का USE नहीं किया जाता ONLY CANDLESTICKS, CHART PATTERN, TREND ANALYSIS, MARKET STRUCTURE, SUPPORT AND RESISTANCE का USE किया जाता है।

PRICE ACTION के आधार पर हम मुख्य 4 चीजों को देख कर TRADE कर सकते हैं।

(1).SUPPORT AND RESISTANCE

(2).MARKET STRUCTURE

(3).CANDLESTICKS

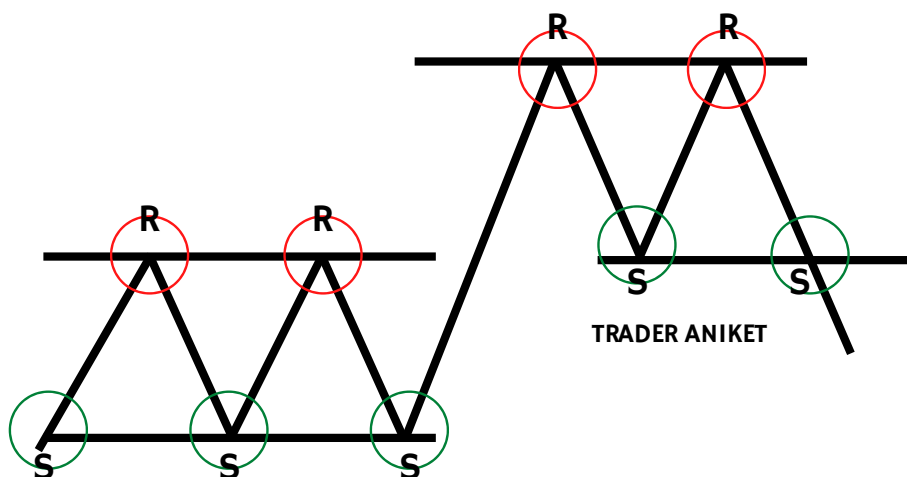
(4).CHART PATTERNS

PRICE ACTION का ANALYSIS करके एक TRADER MARKET के TREND को समझता है, विभिन्न प्रकार के PATTERN का ANALYSIS करके TRADE करता है, सही तरीके से अपने RISK को MANAGE करता है और DISCIPLINE के साथ TRADE करता है।

SUPPORT & RESISTANCE

SUPPORT और **RESISTANCE** एक **LEVEL** होता है जहाँ **STOCK** का **PRICE** घूमता रहता है।

SHARE का **PRICE** **SUPPORT** से **RESISTANCE** और **RESISTANCE** से **SUPPORT** तक आता है और घूमता है।



SUPPORT :- **SUPPORT** का मतलब है सहारा या मदद। जहाँ से **STOCK** का **PRICE** एक **SUPPORT** लेकर ऊपर की ओर जाता है।

(**INVESTOR SUPPORT ZONE** पर **STOCK** को **BUY** करते हैं।)

RESISTANCE :- **RESISTANCE** का मतलब है रुकावट या बाधा। जहाँ पर **INVESTOR** अपना **PROFIT BOOK** करते हैं जिस कारण से **STOCK** का **PRICE** नीचे आ जाता है।

(**TRADER RESISTANCE ZONE** पर अपना **PROFIT BOOK** करते हैं।) या **TRADER RESISTANCE LEVEL** पर **STOCKS** को **SELL** करते हैं।

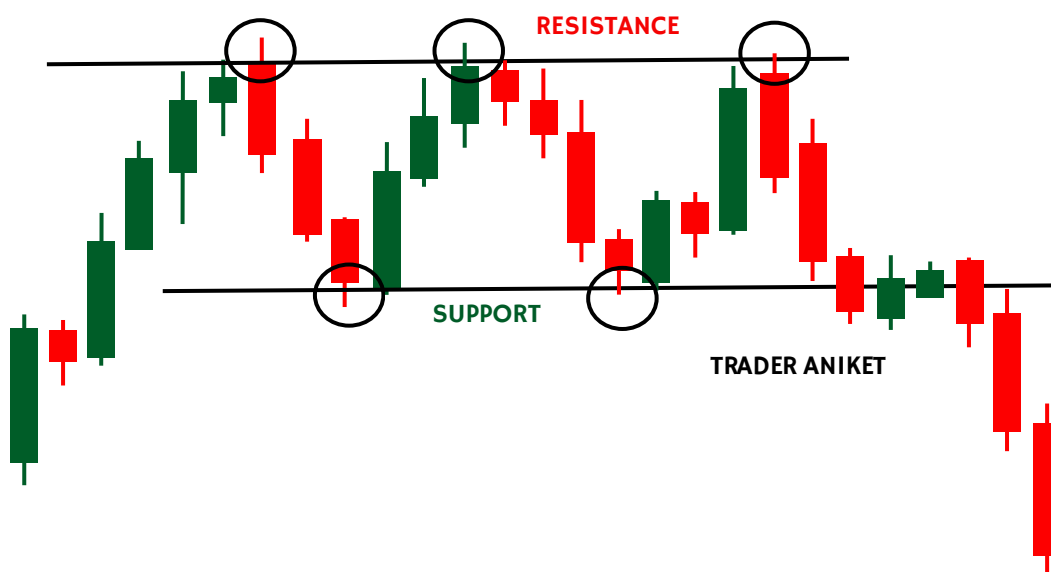
जब **STOCK** का **PRICE** **SUPPORT** और **RESISTANCE** के बीच में हो तो हमको कुछ नहीं करना है। (ना ही **BUY** ना ही **SELL**) **TRADER ANIKET**

SUPPORT & RESISTANCE DEMAND और **SUPPLY** के आधार पर बनते हैं।

जब भी कोई **STOCK** अपने **RESISTANCE** या **SUPPORT** के पास जाता है या छू कर नीचे या ऊपर जाता है तो वह अपने **SUPPORT** या **RESISTANCE** को कमजोर कर देता है। वह अपने वर्तमान **SUPPORT** या **RESISTANCE** को तोड़कर **NEXT SUPPORT** या **RESISTANCE** के पास जाने की कोशिश करता है।

PRICE ACTION STRATEGY में TRADING करते समय SUPPORT AND RESISTANCE LEVEL IDENTIFY करने के लिए हम HORIZONTAL LINE और TREND LINE का उपयोग करते हैं।

HORIZONTAL LINE :- HORIZONTAL LINE एक सीधी LINE होती है जो PRICE LEVEL को मिलाती है। SHARE MARKET में इस LINE का इस्तेमाल अक्सर SUPPORT और RESISTANCE LEVEL को IDENTIFY करने के लिए DRAW किया जाता है।



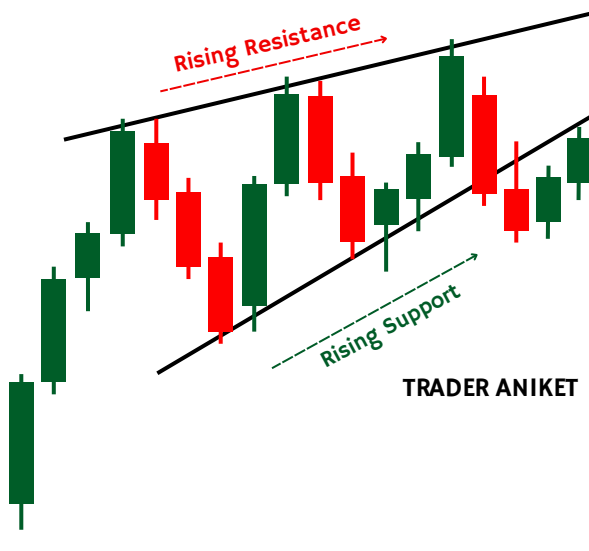
HORIZONTAL LINE SUPPORT AND RESISTANCE



HORIZONTAL LINE का इस्तेमाल SUPPORT AND RESISTANCE LEVEL को IDENTIFY करने के साथ साथ ENTRY और EXIT POINT पता करने के लिए किया जाता है।

TRENDLINE :- TRENDLINE एक IMPORTANT TECHNICAL TOOL है जो PRICE ACTION में इस्तेमाल किया जाता है।

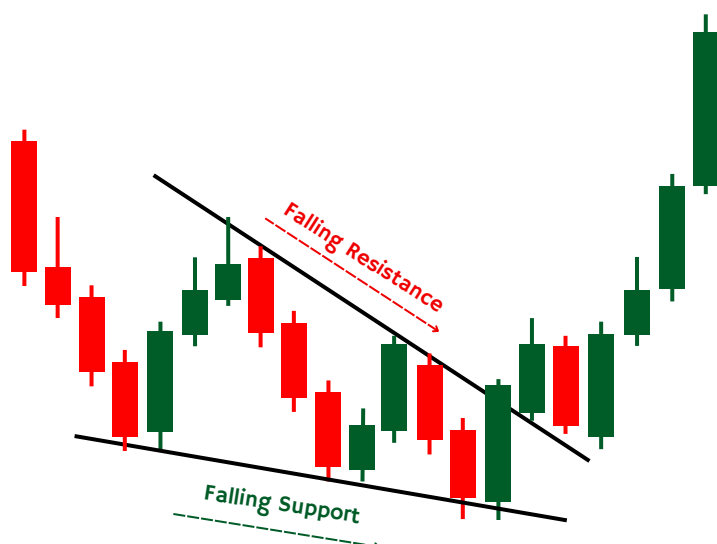
STOCK का PRICE 2 या 2 से अधिक बार TRENDLINE को TOUCH करके HIGHER HIGH, HIGHER LOW, LOWER HIGH या LOWER LOW बनाता है तो जो TREND चल रहा है वो और मजबूत हो जाता है।



RISING S&R :- ऐसा SUPPORT या RESISTANCE जो ऊपर की तरफ बढ़ता हुआ दिखाई देता है उसे RISING SUPPORT या RISING RESISTANCE कहते हैं।

इसमें SUPPORT & RESISTANCE अपने पिछले SUPPORT & RESISTANCE से HIGH में होने चाहिए।

RISING SUPPORT & RESISTANCE - FALLING SUPPORT & RESISTANCE



FALLING S&R :- ऐसा SUPPORT या RESISTANCE जो नीचे की तरफ घटता हुआ दिखाई देता है उसे FALLING SUPPORT या FALLING RESISTANCE कहते हैं।

इसमें SUPPORT & RESISTANCE अपने पिछले SUPPORT & RESISTANCE से LOW में होने चाहिए।

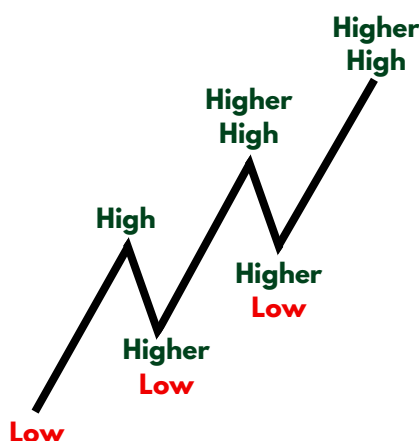
TRENDLINE का USE TREND IDENTIFICATION मतलब TREND की पहचान करने के लिए किया जाता है। SHARE MARKET में TREND तीन प्रकार के होते हैं :- UPTREND, DOWN TREND AND SIDEWAYS TREND.

ट्रेंड लाइन का इस्तेमाल **TREND IDENTIFICATION** के अलावा **SUPPORT** और **RESISTANCE** को **IDENTIFY** करने के लिए तथा **ENTRY** और **EXIT POINT** पता करने के लिए भी किया जाता है। **TRENDLINE** कभी कभी **FALSE BREAKOUT** या **FALSE BREAKDOWN** दे सकते हैं।

इसलिए एक **TRADER** को **TRENDLINE** के अलावा साथ में और **TECHNICAL TOOLS** जैसे की **CHART PATTERNS, CANDLESTICKS, MARKET TREND** आदि को भी देखना चाहिए जिससे **EXTRA CONFIRMATION** मिले और **TRADER CONFIDENCE** के साथ **TRADE** कर सके और **FAKE BREAKOUT** से बच सके।

MARKET TREND :- **MARKET TREND** का मतलब **MARKET** का हालत कैसा है, **MARKET** में कौन सा **TREND** चल रहा है।

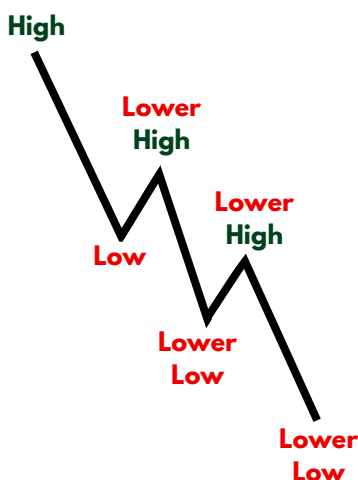
HIGHER HIGH, HIGHER LOW, LOWER HIGH और **LOWER LOW** एक **TECHNICAL ANALYSIS CONCEPT** है जो **STOCK MARKET** में **TREND** को समझने में मदद करता है। **TRADER ANIKET**



UPTREND में **STOCK** का **PRICE** **CONTINUE** बढ़ते रहता है।

HIGHER HIGH :- इसमें **STOCK** का **RECENT HIGH** उसके पहले **HIGH POINT** से ज्यादा होता है।

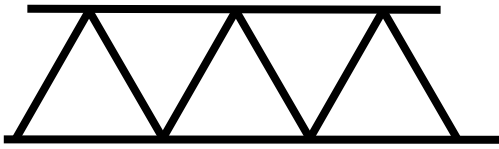
HIGHER LOW :- इसमें **STOCK** का **RECENT LOW** उसके पिछले **LOW POINT** से ज्यादा होता है।



DOWN TREND में **STOCK** का **PRICE** **CONTINUE** घटते रहता है।

LOWER HIGH :- इसमें **STOCK** का **RECENT HIGH** उसके पिछले **HIGH POINT** से कम होता है।

LOWER LOW :- इसमें **STOCK** का **RECENT LOW** उसके पिछले **LOW POINT** से ज्यादा होता है।



SIDEWAYS TREND में **STOCK** का **PRICE** एक सीमित **RANGE** में घूमते रहता है।

SUPPORT & RESISTANCE के आधार पर TRADE करते समय ध्यान रखने योग्य बातें :-

- **SUPPORT AND RESISTANCE** के आधार पर **TRADE** करते समय हमें पहले **SUPPORT AND RESISTANCE LEVEL IDENTIFY** करना चाहिए।
- अगर **SUPPORT LEVEL** के पास कोई **BULLISH PATTERN** बनता है तो हमको **BUYING SIDE ENTRY** लेना है। अगर **RESISTANCE LEVEL** के पास कोई **BEARISH PATTERN** बनता है तो **SELLING SIDE ENTRY** लेना है।
- जैसे हमने **STOCK** को **SUPPORT LEVEL** पर **BUY** किया है तो हमारा **STOPLOSS** **SUPPORT LEVEL** के नीचे होना चाहिए। अगर **STOCK** को **RESISTANCE LEVEL** पर **SELL** किया है तो हमारा **STOPLOSS** **RESISTANCE LEVEL** के ऊपर होना चाहिए। **TRADER ANIKET**
- **SUPPORT AND RESISTANCE** के आधार पर **TRADE** करते समय हमें **MARKET TREND** का **ANALYSIS** करना चाहिए। जिससे हमें पता चल सके की **MARKET UPTREND** में है या **DOWNTREND** में है या **SIDEWAYS** है। तब हम **TREND** का **ANALYSIS** करके सही **DIRECTION** में **ENTRY** ले सकते हैं।
- **TRADING** करते समय **RISK MANAGEMENT** का ध्यान रखना चाहिए। **TRADING** में अपने **RISK** को **PROPER** तरीके से **MANAGE** करना ही सबसे बड़ा **ACHIEVEMENT** होता है।
- किसी भी **TRADING STRATEGY** में काम करते समय हमको एक अच्छा **RISK REWARD RATIO** **SET** करना चाहिए और **DISCIPLINE** के साथ **RULES FOLLOW** करना चाहिए।

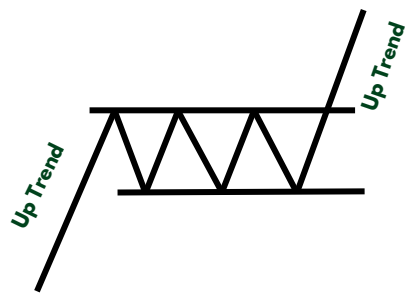
TYPES OF PATTERNS



MARKET में लंबी मंदी (गिरावट) के बाद STOCK का PRICE REVERSE होकर ऊपर की ओर जाती है जिसे BULLISH REVERSAL के नाम से जानते हैं।

REVERSAL PATTERN

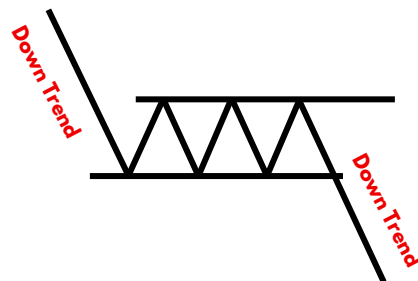
MARKET में लंबी तेजी के बाद STOCK का PRICE REVERSE होकर नीचे की ओर जाती है जिसे BEARISH REVERSAL के नाम से जानते हैं।



CONTINUOUS PATTERN

CONTINUOUS PATTERN का मतलब होता है MARKET में जो चल TREND चल रहा है वह TREND अभी बरकरार रहेगा। अगर MARKET BULLISH TREND में है तो BULLISH TREND में रहेगा।

अगर MARKET BEARISH TREND में है तो BEARISH TREND बरकरार रहेगा।



अगर MARKET SIDEWAYS है तो SIDEWAYS रहेगा।



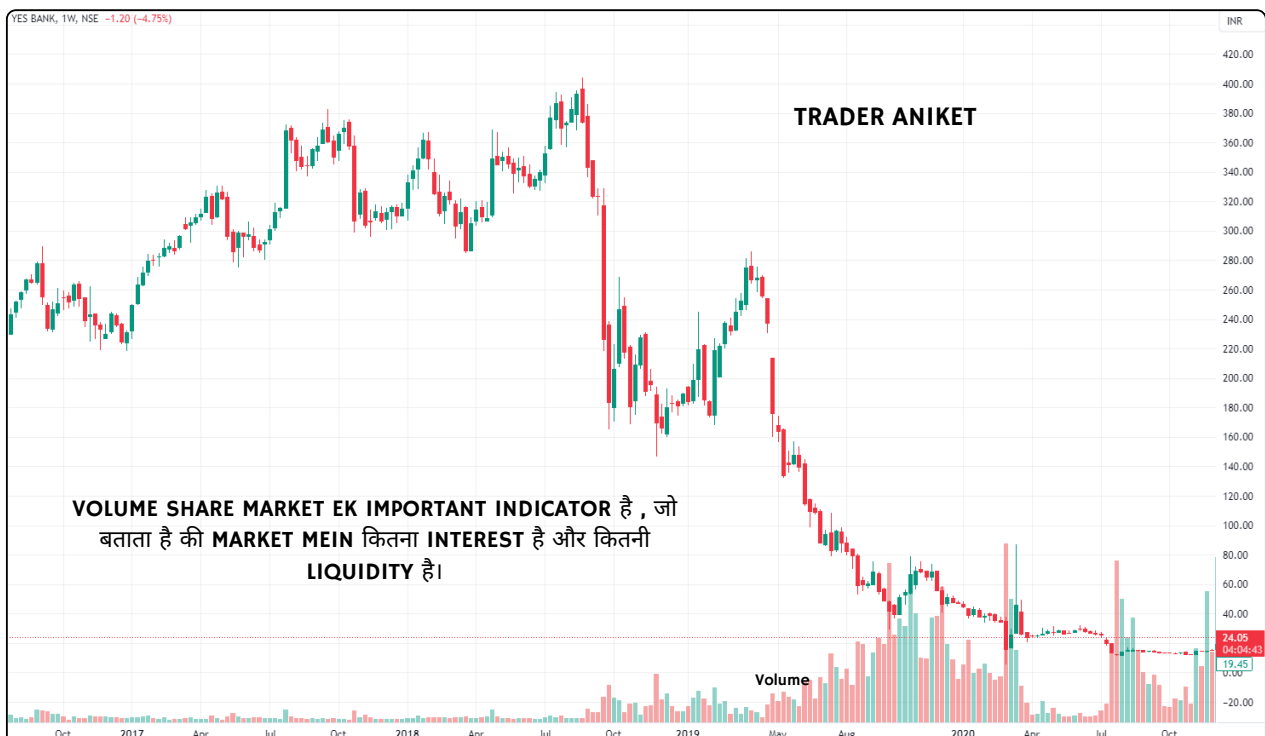
INDECISION PATTERN

INDECISION CHART PATTERN का मतलब जो PATTERN चल रहा है वह REVERSE होगा या CONTINUE वह PATTERN चलता रहेगा, यह कह पाना संभव नहीं है। MARKET में कुछ भी हो सकता है।

EXAMPLE - (1) VOLUME



EXAMPLE - (2) VOLUME



CANDLESTICKS

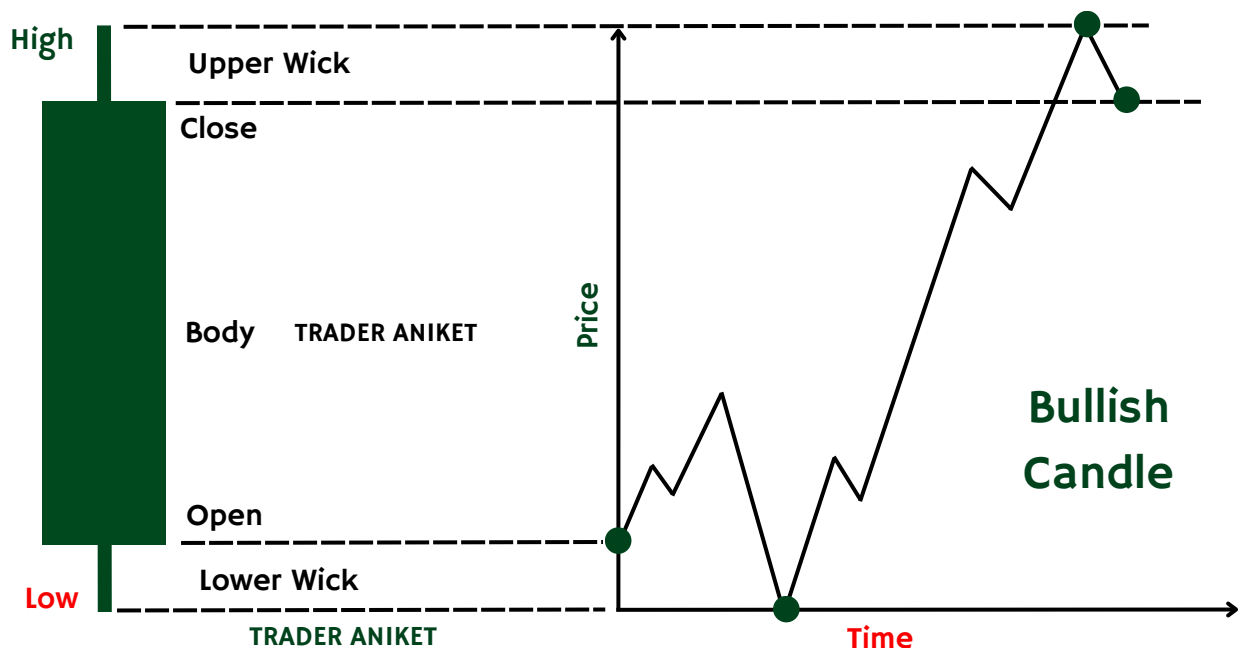
CANDLESTICK हमें **MARKET** की दिशा को बताता है। **CANDLE** एक **RECTANGLE** के आकार का होता है जो कि एक निश्चित समय अंतराल का होता है। यह **1 MINUTE, 2 MINUTE, 3 MINUTE, 5 MINUTE, 15 MINUTE, 30 MINUTE, 1 HOUR, 1 DAY, 1 WICK, 1 MONTH** का हो सकता है।

CANDLE अपने समय अंतराल में चार चीजों को बताता है। **OPEN PRICE, HIGH PRICE, LOW PRICE, CLOSING PRICE**. **CANDLE** दो प्रकार के होते हैं :- **BULLISH CANDLE** और **BEARISH CANDLE**.

जो भी **PATTERN** बनते हैं यह **DEMAND** और **SUPPLY** के आधार पर बनते हैं। **CANDLESTICK** का **ANALYSIS** कर हम **MARKET** की दिशा को जान सकते हैं कि **MARKET** किस ओर जाने वाली है और **MARKET** का क्या **STATUS** है।

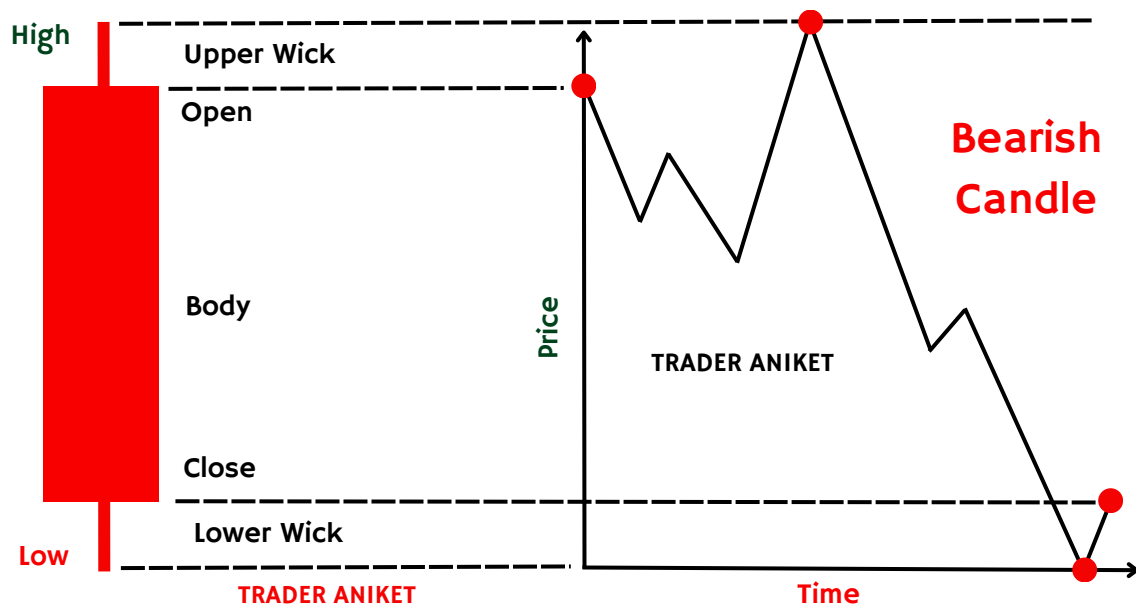
CANDLESTICK की शुरुआत **1850** में सबसे पहले जापान में **RICE TRADING** करने के लिए की गई थी। आज पूरे विश्व में **CANDLESTICK CHART** का प्रयोग सबसे ज्यादा किया जाता है।

BULLISH CANDLE FORMATION



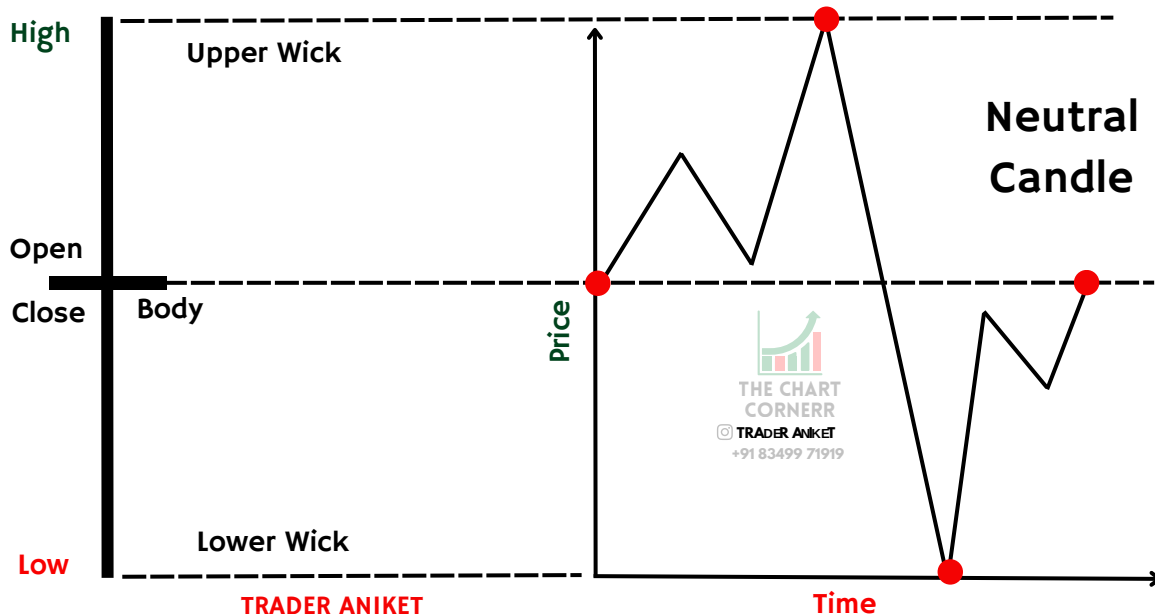
आइये इसे एक **EXAMPLE** के माध्यम से समझते हैं, जैसे **BULLISH CANDLE** का **OPEN PRICE 30₹, LOW PRICE 20₹, HIGH PRICE 50₹, तथा CLOSING PRICE 40₹**. इस प्रकार से **BULLISH CANDLE** का **FORMATION** होता है।

BEARISH CANDLE FORMATION



आइये इसे एक **EXAMPLE** के माध्यम से समझते हैं, जैसे **BEARISH CANDLE** का **OPEN PRICE 40₹**, **HIGH PRICE 50₹**, **LOW PRICE 20₹**, तथा **CLOSING PRICE 30₹**. इस प्रकार से **BEARISH CANDLE** का **FORMATION** होता है।

NEUTRAL CANDLE FORMATION

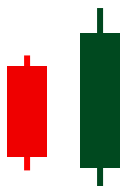


आइये इसे एक **EXAMPLE** के माध्यम से समझते हैं, जैसे **NEUTRAL CANDLE** का **OPEN PRICE 40₹**, **HIGH PRICE 60₹**, **LOW PRICE 20₹**, तथा **CLOSING PRICE 40₹**. इस प्रकार से **NEUTRAL CANDLE** का **FORMATION** होता है।



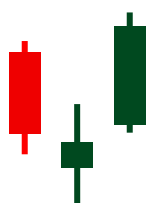
SINGLE CANDLESTICK PATTERNS

SINGLE CANDLESTICK PATTERN एक SINGLE CANDLE पर BASED होती है और MARKET SENTIMENT को REPRESENT करती है।



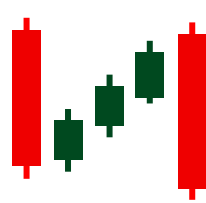
DOUBLE CANDLESTICK PATTERNS

DOUBLE CANDLESTICK PATTERN दो कैंडलों से मिलकर बनती है और MARKET में ये SPECIFIC PATTERN होते हैं।



MULTIPLE CANDLESTICK PATTERNS

TRIPLE या MULTIPLE CANDLESTICK PATTERN तीन या तीन से अधिक कैंडलों से मिलकर बनती है, इन PATTERN का ANALYSIS करके TRADER PRICE MOVEMENT को समझते हैं।



MARKET तो हमेशा रहेगा , इस **MARKET** से पैसा तो हम कभी भी कमा सकते हैं, मगर पहले हम इसे अच्छे से सीख लें यह कैसे काम करता है। "पहले सीखें, उसके बाद काम करें।"

Improve Your Trading Skills.

HAMMER CANDLE

HAMMER CANDLE एक **BULLISH REVERSAL CANDLE** है जो **MARKET** के **DOWNTREND** में **SUPPORT LEVEL** के पास में बनता है, और यह एक **SINGLE CANDLE** होता है।

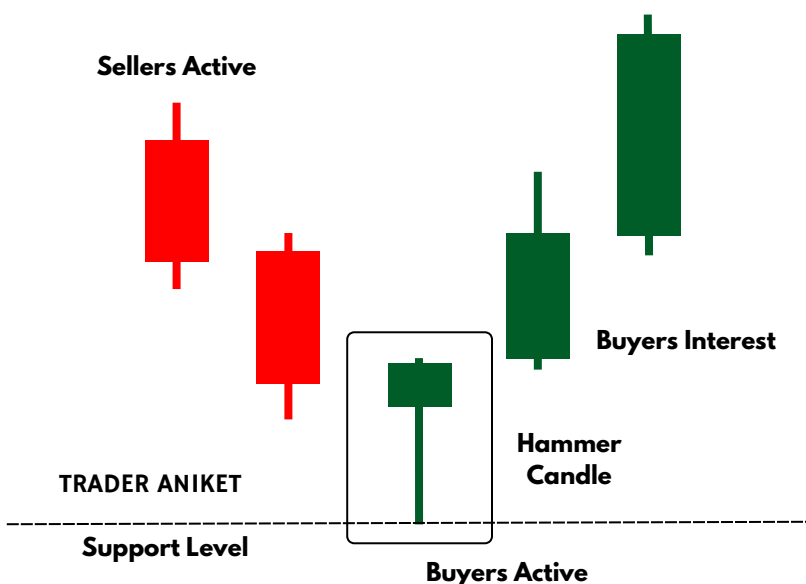
HAMMER कैंडल में ऊपर की तरफ **SHORT BODY** तथा नीचे लंबी **WICK** होती है। नीचे की **WICK BODY** से दुगुनी होनी चाहिए। ऊपर की **WICK BODY** से छोटी या ना के बराबर हो तो भी चलता है।

MARKET में गिरावट के समय **SUPPORT LEVEL** के पास अगर **HAMMER** बनता है तो **MARKET REVERSE** हो सकता है।

CANDLE का **COLOUR** हरा या लाल दोनों में से कुछ भी हो सकता है। **CANDLE** का **COLOUR** मायने नहीं रखता। **CANDLE MARKET** के **DOWNTREND** में बननी चाहिए।

HAMMER CANDLE की PSYCHOLOGY :-

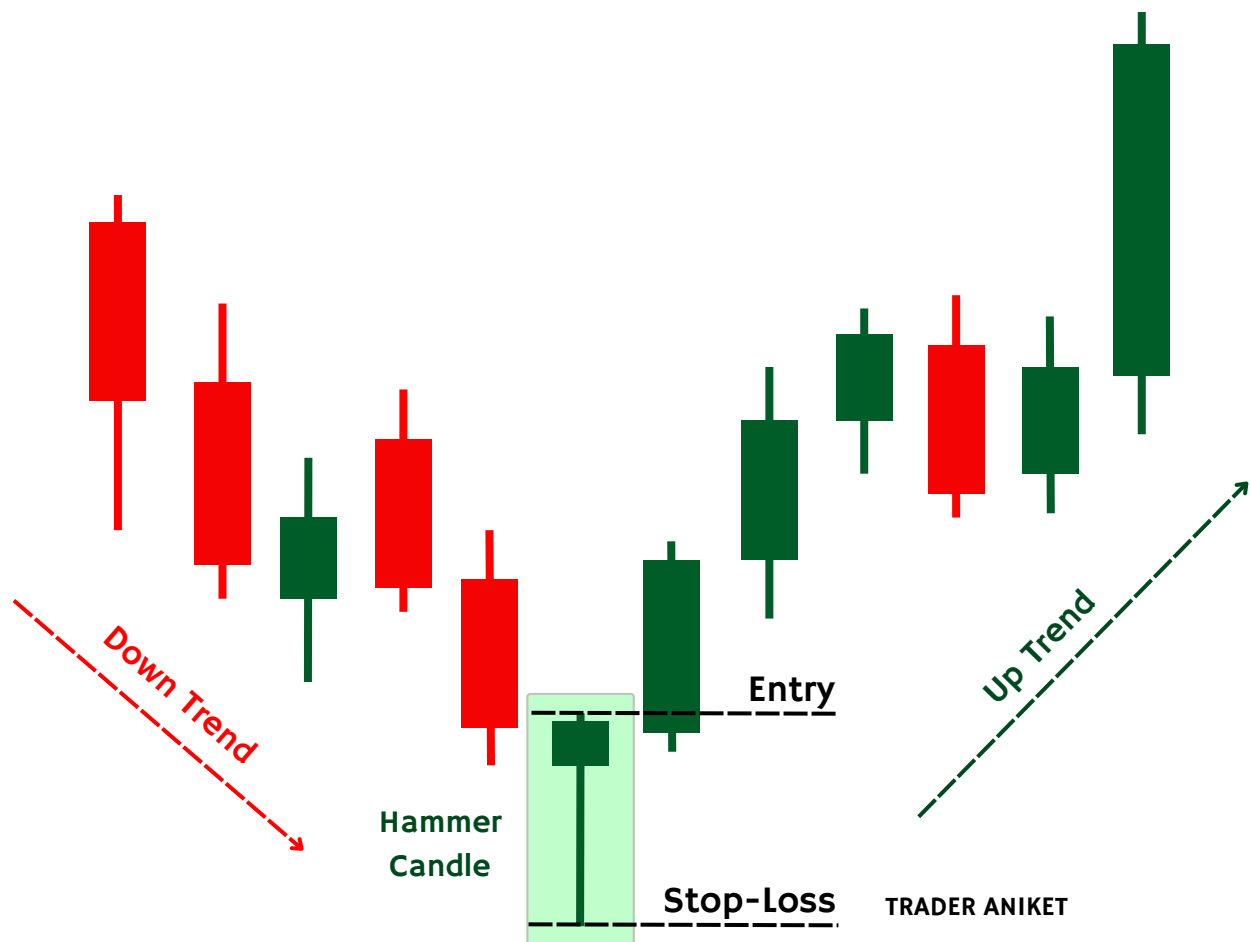
HAMMER CANDLE तब बनता है जब **SELLERS MARKET** को नीचे ले जाते हैं लेकिन **BUYERS** वापस से **CONTROL** ले लेते हैं और **PRICE** ऊपर **CLOSE** हो जाता है।



HAMMER CANDLE के **FORMATION** के बाद अगर **NEXT CANDLE BULLISH CANDLE** होती है तो यह **BUYERS** के **STRENGTH** को दर्शाती है।

HAMMER CANDLE हमें यह दिखाता है कि **INITIAL** जो **SELLING PRESSURE** था उस पर **BUYERS** ने काबू पा लिया है मतलब **BUYERS** ज्यादा आ गये हैं और **DEMAND** बढ़ रही है।

HAMMER CANDLE के आधार पर TRADE करते समय ध्यान रखने योग्य बातें :-



1. CANDLE का FORMATION :- HAMMER CANDLE की BODY छोटी तथा नीचे की WICK BODY से दुगुनी होनी चाहिए। (ऊपर की WICK BODY से छोटी होनी चाहिए।)

2. CANDLE के बनने का स्थान :- HAMMER CANDLE MARKET के DOWN TREND में किसी SUPPORT LEVEL के पास में बनना चाहिए।

3. ENTRY और STOP-LOSS :- HAMMER CANDLE बनने के बाद जब अगला CANDLE, HAMMER CANDLE के HIGH को CROSS करता है तब हमें ENTRY लेना है तथा HAMMER CANDLE के LOW PRICE पर STOP-LOSS लगाना है।

4. RISK MANAGEMENT :- TRADING करते समय RISK MANAGEMENT का ध्यान रखना चाहिए तथा एक अच्छा RISK REWARD RATIO SET करना चाहिए और DISCIPLINE के साथ RULES FOLLOW करना चाहिए। ये सबसे IMPORTANT POINT है।

SHOOTING STAR CANDLE

SHOOTING STAR CANDLE एक **BEARISH REVERSAL CANDLE** है जो **MARKET** के **UPTREND** में **RESISTANCE LEVEL** के पास में बनता है, और यह एक **SINGLE CANDLE** होता है।

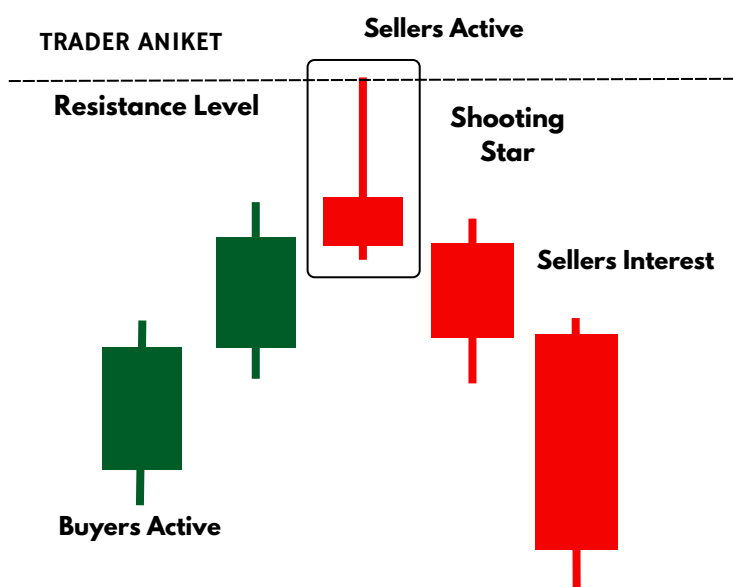
SHOOTING STAR कैंडल में नीचे की तरफ **SHORT BODY** तथा ऊपर लंबी **WICK** होती है। ऊपर की **WICK BODY** से दुगुनी होनी चाहिए। नीचे की **WICK BODY** से छोटी या ना के बराबर हो तो भी चलता है।

जब **MARKET UP TREND** में रहता है तब यह **CANDLE RESISTANCE LEVEL** के पास बनता है। तो यह संभावना रहती है कि **MARKET REVERSE** हो सकता है।

CANDLE का **COLOUR** हरा या लाल दोनों में से कुछ भी हो सकता है। **CANDLE** का **COLOUR** मायने नहीं रखता। **CANDLE MARKET** के **UPTREND** में बननी चाहिए।

SHOOTING STAR CANDLE की PSYCHOLOGY :-

SHOOTING STAR CANDLE तब बनता है जब **BUYERS MARKET** को ऊपर ले जाते हैं लेकिन **SELLERS** वापस से **CONTROL** ले लेते हैं और **PRICE** नीचे **CLOSE** हो जाता है।



SHOOTING STAR CANDLE के **FORMATION** के बाद अगर **NEXT CANDLE BEARISH CANDLE** होती है तो यह **SELLERS** के **STRENGTH** को दर्शाती है।

SHOOTING STAR CANDLE हमें यह दिखाता है कि **INITIAL** जो **BUYING PRESSURE** था उस पर **SELLERS** ने काबू पा लिया है मतलब **SELLERS** ज्यादा आ गये हैं।